Hindi Murli Quiz 13-09-2015

Q.1) **Q.“सर्व मुरलियों का सार एक ही शब्द है ------- जिसमें सारा विस्तार समाया हुआ है। ------ तो बन गये हो ना ? ------- बनना, ------- को याद करना और जो कुछ बीता उसको ------- लगाना। यह अति सूक्ष्म और अति शक्तिशाली है, जिससे आप सब भी सूक्ष्म फरिश्ता बन, मास्टर सर्व शक्तिवान बन पार्ट बजाते हो।“**

निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे उपयुक्त शब्द से उपरोक्त सभी रिक्त स्थान भरें ---

A. बिन्दु
B. ड्रामा
C. याद
D. पवित्रता

Q.2) **Q. आज बापदादा ने प्रजा बनाने की सहज विधि बतायी है । चेक करके बतायें कि निम्नलिखित वाक्य उस विधि को सही रूप में दर्शाते हैं ।**
“हरेक बच्चा ऐसा दिव्य दर्पण हो जिस दर्पण द्वारा हर मनुष्य आत्मा को अपने तीनों काल दिखाई दें-- `क्या था' और `अभी क्या हूँ' और `भविष्य में क्या मिलना है' । इससे वे अनुभव करेंगे कि अनेक जन्मों की प्यास व अनेक जन्मों की आशायें - मुक्ति में जाने की व स्वर्ग में जाने की, अभी पूर्ण होने वाली हैं तो सहज ही आकर्षित होते आयेंगे। ऐसी आत्माओं को सेकेण्ड में बाप का परिचय, बाप की महिमा और प्राप्ति सुनाकर सम्बन्ध की लवलीन अवस्था का अनुभव कराओ और भविष्य लीन का रास्ता बताओ। तो सहज ही प्रजा बनाने का कार्य हो जायेगा।“

A. True
B. False

Q.3) **Q. दिव्य दर्पण विषय पर निम्नलिखित वाक्यों में से केवल सही वाक्य ही चयन करें ---**

A. ☑ त्रिकालदर्शा बनाने का दिव्य दर्पण बनोगे तो उसमें अपने पुरूषार्थ की रिजल्ट--व्यर्थ और समर्थ का पोज भी दिखाई देंगे।
B. ☑ समर्थ का पोज मास्टर सर्व शक्तिवान व दिलतख्तनशीन होगा ।
C. ☑ व्यर्थ का पोज सदा युद्ध के रूप में योद्धे का होगा।
D. ☑ तख्तनशीन सफलता मूर्त और युद्ध स्थल में खड़े हुए मेहनत की मूर्त होंगे।
E. ☐ .समर्थ के पोज में फरियाद स्वरूप होंगे, और व्यर्थ के पोज में याद स्वरूप होंगे ।

Explanation: समर्थ का पोज में याद स्वरूप होंगे, और व्यर्थ का पोज में फरियाद स्वरूप होंगे ।

Q.4) **Q. मैचिंग की इस एक्सरसाइज में उपयुक्त शब्दों से ही रिक्त स्थान भरें ---**

	Choice	Match
A	.---------- विदेशियों के लिए चुम्बक का काम करता है।	प्यार ।
B	पुरानी दुनिया में मरने वाले --------नहीं जाते हैं, लेकिन संगम पर जो मरा, वह ------- गया।	स्वर्ग ।
C	वतन में आप सबका ही सम्पूर्ण ----------स्वरूप है।	आकारी ।
D	माया के मेले में अगर बाप साथी छूटा तो --------भूल जायेंगे।	रास्ता ।

E	सदा --------को नमस्कार कराना, वार के अन्दर नहीं आना।	माया।

Q.5) **Q. "बाप-दादा ने जैसे स्थापना में ब्रहमा के सम्पूर्ण स्वरूप द्वारा साक्षात्कार कराने की सेवा की, ऐसे आजकल अष्ट रत्न सो इष्ट रत्न को शक्ति के रूप में साक्षात्कार कराने की सेवा भी कराते हैं। स्थूल शरीर द्वारा साकारी ईश्वरीय सेवा के साथ-साथ शिव शक्ति के द्वारा साक्षात्कार और सन्देश मिलने का कार्य आपके सूक्ष्म शरीरों द्वारा भी हो रहा है। बाप-दादा अनन्य बच्चों के संगठन द्वारा भक्तों को और वैज्ञानिकों को टचिंग कराने की सेवा कराते रहते हैं। उनमें अनन्य भक्ति के संस्कार भर रहे हैं जो आधाकल्प भक्ति मार्ग को चलाते रहेंगे और वैज्ञानिकों को परिवर्तन करने और रिफाइन साधन बनाने में कार्य करेंगे।"**

A. True
B. False

Q.6) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	अमूल्य रत्न अर्थात जिसकी कीमत आज के मानव कुछ कर नहीं सकते।	जो बाप के बने वह अमूल्य रत्न हो गये।
B	संगमयुग का श्रेष्ठ भाग्य ही है--	बाप के अमूल्य रत्न बनना।
C	जितनी यज्ञ सेवा करते हैं,	उतना प्राप्तियों का प्रसाद स्वत: ही प्राप्त हो जाता है।
D	किसी को सन्तुष्ट करना,	यह सबसे बड़ी सेवा है।
E	मेहमान निवाजी करना,	यह सबसे बड़ा भाग्य है।

Q.7) **Q. निम्नलिखित तीन रिक्त स्थान एक ही उपयुक्त शब्द से भरें ----**
"आकार बन करके --------करना अच्छा है या साकार शरीर परिवर्तन कर ---------करना अच्छा। एडवान्स पार्टी तो साकार शरीर परिवर्तन कर ---------कर रही है। लेकिन कोई कोई का पार्ट अन्त तक साकारी और आकारी रूप द्वारा भी चलता है।"

- सेवा
- सवा
- SEVA
- सिवा
- SEVAA

Q.8) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	बाप का बनना अर्थात् मेरा पन समाप्त होना।	मोह की उत्पत्ति का आधार है - मेरा।
B	अपने को हद का रचयिता समझने से विकारों की उत्पत्ति होती है।	सदा भाई-भाई की स्मृति में रहो तो कोई भी विकार उत्पन्न नहीं हो सकते।
C	अननोन योद्धा अर्थात बाहर से कुछ भी कर रहे हो,	लेकिन अन्दर में माया पर जीत पहन विश्व का राज्य ले रहे हो।
D	अकेले हो जायेंगे तो माया वार करेगी।	बाप के साथ रहेंगे तो माया बलिहार जायेगी।

Q.9) **Q. "जो जितना शक्तियों को कार्य में लगाते हैं उतना उनकी वह शक्तियां वृद्धि को प्राप्त होती हैं। तो ऐसा ईश्वरीय बजट बनाओ जो विश्व की हर आत्मा आप द्वारा कुछ न कुछ प्राप्ति करके आपके गुणगान करे। सभी को कुछ न कुछ देना ही है। चाहे मुक्ति दो, चाहे जीवनमुक्ति दो। ईश्वरीय बजट बनाकर सर्व शक्तियों की बचत कर जमा करो और जमा हुई शक्ति द्वारा सर्व आत्माओं को भिखारीपन से, दु:ख अशान्ति से मुक्त करो।"**

A. True
B. False

Q.10) **-Q. "शुद्ध ----------को अपने जीवन का अनमोल खजाना बना लो तो मालामाल बन जायेंगे।"**

निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे उपयुक्त शब्द से उपरोक्त स्थान भरें ---

A. संकल्पों
B. संस्कारों
C. कर्मों
D. वाणी